Shodhshauryam, International Scientific Refereed Research Journal
© 2021 SHISRRJ | Volume 4 | Issue 6 | ISSN : 2581- 6306

सम्मान एवं पुरस्कारों की श्रृंखला: पण्डित बलदेव उपाध्याय

डॉ0 देवनारायण पाठक
शोध- पर्यवेक्षक, संस्कृत विभागाध्यक्ष,
ने0 ग्रा0भा0मा0वि0वि0,प्रयागराज, उत्तर प्रदेश ।

महेन्द्र कुमार यादव
शोधच्छात्र,संस्कृत विभाग,
ने0ग्रा0भा0मा0वि0 प्रयागराज, उत्तर प्रदेश ।

Article Info
Volume 4, Issue 6
Page Number : 138-142

Publication Issue :
November-December-2021

Article History
Received : 15 Nov 2021
Published : 30 Nov 2021

शोध- आलेख सार - भारतीय दर्शन, शंकरदिग्विजय, बौद्ध दर्शन मीमांसा, भारतीय साहित्यशास्त्र, भारतीय वाङ्गमय में श्री राधा आदि ग्रन्थ अपने विषय के मार्गदर्शक ग्रन्थ हैं। ये सभी ग्रन्थ अपनी प्रामाणिकता, विद्वता तथा गम्भीरता के कारण हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग, हिन्दुस्तानी ऐकडमी प्रयाग, डालमिया ट्रस्ट हरिद्वार आदि विशिष्ट संस्थाओं द्वारा विभिन्न वर्षों में पुरस्कृत हुए है। उपाध्याय जी विभिन्न अधिवेशनों, सम्मेलनों तथा सभाओं के सभापति और भारत सरकार की महत्वपूर्ण कमेटियों के सदस्य रहे हैं। विभिन्न संस्थाओं ने उनके विशिष्ट साहित्यिक अवदान के लिए अनेक मानद उपाधियों से सम्मानित किया है।

मुख्य शब्द- पुरस्कार, राशि, संस्था, पं0 बलदेव उपाध्याय, उपाधि।

पं0 बलदेव उपाध्याय अपनी विद्वता के कारण न केवल अपने शिष्यों तथा सहकर्मियों द्वारा सम्मानित हुए अपितु विविध शासकीय एवं सामाजिक संगठनों द्वारा भी सम्मानित हुए है । इनके ग्रन्थ संस्कृत कवि चर्चा पर प्रसन्न होकर महावीर प्रसाद द्विवेदी ने कालिदास के शब्दों में उन्हें आर्शीवाद प्रदान करते हुए कहते हैं-

उदन्वदाकाशमहीतलेषु विकासमाप्नोतु यशरूत्वदीय: ।।

महावीर प्रसाद द्विवेदी का यह आर्शीवाद यथार्थत: सत्य प्रमाणित हुआ पं0 बलदेव उपाध्याय जी के अनेक ग्रन्थ विभिन्न पुरस्कारो से सम्मानित हुए स्वयं उपाध्याय जी को इन पुरस्कारों की सूचि न तो याद है और न हीं इन्होंने इसे लिखकर सुरक्षित रखा है । पुरस्कारों के साथ प्राप्त प्रशस्ति पत्र भी लुप्त हो गये । पं0 बलदेव उपाध्याय ने विभिन्न अधिवेशनों सम्मेलनों तथा सभाओं का सभापतित्व का कार्य किया है और विभिन्न विश्वविद्यालयों, शिक्षण संस्थानों तथा भारत सरकार की महत्वपूर्ण कमेंटियों के सदस्य रहे । ये विश्वविद्यालय के सैकड़ों डाक्टरेट उपाधियों के पर्यवेक्षक तथा परीक्षक रहे भिन्न-भिन्न संस्थाओं ने पं0 बलदेव उपाध्याय को उनके विशिष्ट साहित्यिक योगदान के लिए मानद उपाधियों से सम्मानित किया है प्राप्त विशिष्ट पुरस्कारों की श्रृंखला तथा मानद उपाधियों की श्रृंखला अधोलिखित है-

Copyright: © the author(s), publisher and licensee Technoscience Academy. This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution Non-Commercial License, which permits unrestricted non-commercial use, distribution, and reproduction in any medium, provided the original work is properly cited

वर्ष	पुरस्कार	राशि	संस्थान
1942 ई0	मंगला प्रसाद पुरस्कार (भारतीय दर्शन पर)	1200	हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग
1943 ई0	श्रवणनाथ पुरस्कार (शंकर दिग्विजय पर)	1100	श्रवणनाथ ज्ञान मन्दिर, हरिद्वार
1946 ई0	डालमिया पुरस्कार (बौद्ध दर्शन मीमांसा पर)	2100	सेठ रामकृष्ण डालमिया ट्रस्ट हरिद्वार
1949 ई0	साहित्यिक पुरास्कार (बौद्ध दर्शन मीमांसा पर)	1200	उत्तर प्रदेश शासन लखनऊ
1950 ई0	साहित्यिक पुरस्कार (भारतीय साहित्यशास्त्र भाग-2)	1000	उत्तर प्रदेश शासन लखनऊ
1951 ई0	साहित्यिक पुरस्कार (शंकराचार्य पर)	800	उत्तर प्रदेश शासन लखनऊ
1952 ई0	साहित्यिक पुरस्कार (भारतीय साहित्यशास्त्र भाग-1)	1000	उत्तर प्रदेश शासन लखनऊ
1952 ई0	साहित्यिक पुरस्कार (शंकराचार्य पर)	1200	हिन्दुस्तानी एकेडेमी, प्रयाग
1952	रामदीन रीडरशिप	600	पटना विश्वविद्यालय, पटना
1955	साहित्यिक पुरस्कार (भागवत सम्प्रदाय पर)	700	उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ
1956	साहित्यिक पुरस्कार (वैदिक साहित्य और संस्कृति)	1000	उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ
1965	साहित्यिक पुरास्कार (भारतीय वाड्मय में श्री राधा पर)	2000	उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ
1967	साहित्यिक पुरस्कार (पुराण विमर्श पर)	2500	उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ
1970	1960-70 के अन्तराल में प्रकाशित सर्वोत्तम कृति के लिए विशिष्ट पुरस्कार (भारतीय वाड्मय में श्री राधा पर)	2000	हिन्दुस्तानी एकेडेमी, प्रयाग
1975 ई0	विशिष्ट साहित्यिक पुरास्कार	15000	हिन्दी संस्थान उत्तर प्रदेश शासन,

	(विशिष्ट साहित्यिक योगदान के लिए)		लखनऊ
1986 ई0	साहित्यिक पुरस्कार (काशी की पाण्डित्य परम्परा)	5000	मध्य प्रदेश शासन, लखनऊ
1986 ई0	हनुमान मन्दिर पुरास्कार (काशी की पण्डित्य परम्परा)	5000	हनुमान मन्दिर, कलकत्ता
1986 ई0	साहित्यिक पुरस्कार (काशी की पाण्डित्य परम्परा)	5000	संस्कृत अकादमी, उत्तर प्रदेश शासन लखनऊ
1988 ई0	विशिष्ट साहित्यिक पुरस्कार (साहित्यिक योगदान के लिए)	25000	संस्कृत अकादमी, उत्तर प्रदेश शासन लखनऊ
1988 ई0	मंडन मिश्र पुरस्कार (भारतीय धर्म और दर्शन का अनुशीलन पर)	5000	राजभाषा विभाग, बिहार शासन, पटना
1988 ई0	विश्व संस्कृत भारतीय पुरास्कार (समग्र व्यक्तित्व व कृतित्व के लिए)	1,00000	उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ
1993 ई0	साहित्य भूषण सम्मान (दीर्घ कालीन विशिष्ट रचना तथा हिन्दी सेवा के लिए)	25001	उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ
1994 ई0	भोजपुरी भास्कर अलंकरण		अखिल भारतीय भोजपुर परिषद, लखनऊ
1994 ई0	विशिष्ट सम्मान (भारतीय ज्ञानपीठ स्वर्ण जयन्ती समारोह के अवसर पर)		भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
1997 ई0	उमा स्वामी पुरस्कार (संस्कृत विद्या में विशिष्ट योगदान के लिए)	100000	कुन्दकुन्द भारती, नई दिल्ली
1998	रामकृष्ण डालमिया श्रीवाणी पुरस्कार (समग्र कृतित्व पर विशेषकर विमर्श चिन्तामणि: पर)	200000	रामकृष्ण डालमिया श्रीवाणी ट्रस्ट, नई दिल्ली
1998	शिवकुमार शास्त्री पुरस्कार (संस्कृत विद्या में विशिष्ट योगदान के लिए)	11000	काशी विद्वद परिषद, वाराणसी
2002-03	श्री हरजीमल डालमिया पुरस्कार		नई दिल्ली

	(हिन्दी में सर्वश्रेष्ठ रचना हेतु)		

मानद उपाधियाँ

क्र0सं0	वर्ष	उपाधि या सम्मान	संस्था
1.	1924	साहित्य रत्न	श्री भारत धर्म महामंडल, काशी
2.	1952	विद्या रत्न	श्री भारत धर्म महामंडल, काशी
3.	1967	सर्टिफिकेट आफ आनर	भारत सरकार राष्ट्रपति डॉ0 जाकिर हुसैन द्वारा प्रदत्त
4.	1972	साहित्य वारिधि (डी0लिट0)	हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
5.	1977	वाचस्पति (डी0लिट0)	सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी
6.	1982	कालिदास साहित्य रत्न	कालिदास अकादमी उज्जैन
7.	1983	अभिनन्दन ग्रन्थ समर्पण	गंगानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ इलाहाबाद द्वारा प्रकाशित अभिनन्दन ग्रन्थ केन्द्रीय शिक्षा उपमंत्री श्री पी0के थुंगन द्वारा दिनांक 4 अक्टूबर 1983 को समर्पित
8.	1984	पद्मम भूषण	भारत सरकार राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह द्वारा दिनांक 24 मार्च 1984 को प्रदत्त
9.	1990	अभिनन्दन ग्रन्थ समर्पण	आचार्य बलदेव उपाध्याय जी के व्यक्तित्व कृतित्व एवं चिंतन पर आधारित पुस्तक संस्कृत साधना (सम्पादक डॉ0 विद्यानिवास मिश्र) का प्रकाशन
10.	1997	महामहोपाध्याय	राष्ट्रीय तिरूपति संस्कृत विद्यापीठ (मानित विश्वविद्यालय) तिरूपति द्वारा प्रदत्त

उपर्युक्त पुरस्कारों को प्राप्त होने पर व्यक्ति फूला नहीं समाता परन्तु पं0 बलदेव उपाध्याय में कोई स्वाभाविक परिवर्तन आया । वह पुरस्कार प्राप्त होने के पूर्व जैसे थे वैसे ही पुरस्कार प्राप्त होने के बाद भी थे । इन पुरस्कारों से उनका मन कभी भी दृप्त नहीं हुआ तथा एक सच्चे विशुद्ध विद्धान की भाँति उनका मन- "रट ले हरि नाम अरी रसने फिर अन्त समय में हिली न हिली ।" में लगा रहा

इसी प्रकार से समर्पित चरित्र वाले अर्जुन के लिए भगवान ने भी प्रतिज्ञा की थी- 'कौन्तेय प्रतिजानीहि न में भक्त: प्रणश्यति'

महाकवि भर्तृहरि ने ऐसे ही कवियों के यश: शरीर को अमर कहा है-

"जयन्ति ते सुकृतिनो रससिद्धा: कवीश्वरा:
नास्ति येषां यश:काये जरामरणजं भयम् ।।"

सन्दर्भ-

1. भारतीय दर्शन- उपाध्याय पं0 बलदेव शारदा मन्दिर, वाराणसी, 1942 ई0 ।
2. बौद्धदर्शन मीमांसा- उपाध्याय पं0 बलदेव चौखम्भा विद्याभवन वाराणसी 1946 ई0 ।
3. भारतीय साहित्यशास्त्र, भाग -2 उपाध्याय पं0 बलदेव प्रसाद परिषद वाराणसी 1948 ई0 ।
4. आचार्य शंकर - उपाध्याय पं0 बलदेव हिन्दुस्तानी एकेडेमी, प्रयाग 1950 ई0।
5. भागवत सम्प्रदाय- उपाध्याय प0 बलदेव नागरी प्रचारिणी सभा वाराणसी 1954 ई0 ।
6. वैदिक साहित्य और संस्कृति- उपाध्याय पं0 बलदेव शारदा संस्थान वाराणसी 1955 ई0 ।
7. भारतीय वाड्मय में श्री राधा- उपाध्याय पं0 बलदेव बिहार राष्ट्रभाषा परिषद पटना 1963 ई0 ।
8. पुराण विमर्श- उपाध्याय पं0 बलदेव चौखम्भा विद्याभवन वाराणसी 1965 ई0 ।
9. काशी की पंडित्य परम्परा- उपाध्याय पं0 बलदेव विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी 1982 ई0 ।
10. भारतीय धर्म और दर्शन का अनुशीलन उपाध्याय पं0 बलदेव शारदा संस्थान, वाराणसी 1985 ई0 ।
11. विमर्शचिन्तामणि: उपाध्याय पं0 बलदेव शारदा संस्थान वाराणसी 1987 ई 0।